स्मार्ट इंडिया हैकेथॉन : ब्लाइंड्स को सही राह दिखाने वाले चश्मे, साइन लैंग्वेज को टेक्स्ट व वॉइस में बदलने वाले ग्लव्स बनाए स्टूडेंट्स ने

आईआईटी इंदौर होस्ट कर रहा स्मार्ट इंडिया हैकेथॉन 2019, 12 जुलाई तक चलेगा ग्रैंड फिनाले

सिटी रिपोर्टर | इंदौर

ऐसे चश्मे जो दृष्टिबाधितों को रास्ते में आने वाली बाधाओं के बारे में समय से पहले सचेत करे, जो उन्हें सही दिशा समझने में मदद करे, वॉइस कमांड से गाइड करे तो वो बहुत सी परेशानियों से बच सकते हैं। या फि मूक बधिरों के लिए ऐसे स्मार्ट ग्लव्स जो साइन लैंग्वेज को आवाज़ और टेक्स्ट में कन्वर्ट कर दें। कितना आसान हो जाएगा उनके लिए बोल पाने वाले लोगों को अपनी बात समझा पाना। ब्लाइंड्स के लिए ऐसे स्मार्ट ग्लासेस, डेफ्स के लिए स्मार्ट ग्लव्स, साय्लेंस बॉक्स और कई ऐसी डिवाइसेस आईआईटी इंदौर में चल रही स्मार्ट इंडिया हैकेथॉन के ग्रैंड फिनाले में में स्टूडेंट्स डिज़ाइन कर रहे हैं। ये हमारे रोज़मर्रा की छोटी-बड़ी मुश्किलें दूर कर सकती हैं। हैकेथॉन के फिनाले की दो थीम हैं। कम्यूनिकेशन एंड फूड टेक्नोलॉजी। फूड में भी इंटरनेट ऑफ थिंग्स के इस्तेमाल से यूनीक चीज़ें बना रहे हैं। जैसे ऑटोमेटेड स्वीट मेकिंग मशीन। मशीन को सिर्फ कमांड देना है। वो खुद-ब-खुद मिठाई बनाएगी। मसाले पीसने के लिए क्रायोजनिक ग्राइंडिंग डिवाइस बनाई है। किसी चीज़ में पेस्टिसाइड है या नहीं, और है तो कितना है ये इंटरनेट ऑफ थिंग्स बेस्ड डिवाइस से पता लग जाएगा। 12 जुलाई तक चलने वाली इस हैकेथॉन में देशभर से चुने गए और फायनल में जगह बनाने वाले यंगस्टर्स ये सब बना रहे हैं। यह पर्सिस्टेंट सिस्टम केन्द्रीय मानव संसाधन मंत्रालय, एआईसीटीई, एमआइसी और आईफॉरसी के सहयोग से किया जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ आईआईटी इंदौर के रिसर्च एंड डेवलपमेंट के डीन प्रोफेसर अभिनव क्रांति ने किया। कार्यक्रम में आरआरकेट इंदौर के लेज़र और मैटेरियल साइंस ग्रुप डायरेक्टर डॉ नाखे बतौर मुख्य अतिथि और आरसीआई डीआरडीओ हैदराबाद के डायरेक्टर डॉ. करुणानिधि विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए। मुख्य आयोजक डॉ आई. ए. पलानी और डॉ बी. के. लाड थे। एआइसीटीई के डॉ अमित दत्त और प्रहलाद सनद भी उपस्थित रहे। कॉम्पिटिशन के प्रथम विजेता को एक लाख, द्वितीय को 50 हजार और तृतीय को 25 हजार का पुरस्कार दिया जाएगा। प्रीलिमनरी राउंड के लिए 2 लाख स्टूडेंट्स ने रजिस्ट्रेशन किया था। दो लाख स्टूडेंट्स में से 250 टीमों को चुना गया जो 124 प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही हैं।

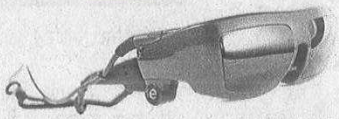

स्मार्ट ग्लास

स्मार्ट ग्लव्स

Dainik Bhaskar (Indore), 11th July 2019, City Bhaskar, Page-15